राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

प्रगति आख्या

सत्र-2017-2018

प्रस्तुति : डॉ. बी.एन. पाण्डेय

"उत्तिष्ठत, जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत" सूत्रवाक्य के साथ राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर की स्थापना 8 दिसम्बर 1977 को तत्कालीन शिक्षामंत्री श्री कालीचरण जी के प्रयास से संस्थापक प्राचार्या डॉ. रजनी सिंह के सक्षम प्रशासकीय नेतृत्व में 10 छात्राओं एवं कला संकाय के 9 विषयों के साथ हुई। महाविद्यालय का कुल क्षेत्रफल 4.83 एकड़ में विस्तृत है, जिसका मुख्य परिसर 2.97 एकड़ तथा भावी विकास हेतु दक्षिणी परिसर 1.76 एकड़ जल निगम परिसर के पीछे अवस्थित है। सम्प्रति इस महाविद्यालय में पूर्वांचल विश्वविद्यालय से मान्य स्नातक कक्षा स्तर पर 18 विषय एवं स्नातक विज्ञान स्तर पर 05 विषयों तथा स्नातकोत्तर स्तर 7 मानविकी विषयों में अध्ययन एवं छः विषयों में शोध की सुविधा उपलब्ध है। पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद से मान्य डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम तथा नीलिट NIELIT से मान्य कम्प्यूटर में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

वर्तमान सत्र में 3984 छात्राएँ विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। महाविद्यालय में 27,000 से अधिक पुस्तकों तथा मासिक पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय, ई-लाइब्रेरी, प्रत्येक शिक्षक को लैपटॉप, प्रिंटर व इन्वर्टर, विभिन्न विषयों से सम्बन्धित प्रयोगशालाओं, जिम्नेजियम, स्वच्छ आर ओ जल, स्वच्छ शौचालय तथा छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। नवीन स्नातकोत्तर ब्लॉक का कार्य अपने अन्तिम चरण में है। एम. एस-सी. वनस्पति विज्ञान भवन निर्माणाधीन है, परिसर सुन्दरीकरण का कार्य चल रहा है, जिसके पूर्ण होने पर महाविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं में वृद्धि होगी। इस महाविद्यालय को नैक बेंगलुरु द्वारा B++ ग्रेड से प्रत्यायित किया गया है जो उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में अब तक प्राप्त सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग है।

सन् 2016-2017 में बी.ए. अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल परिणाम 95%, बी.एस-सी. अन्तिम वर्ष का 94% रहा जबकि स्नातकोत्तर गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास, हिन्दी 100%, अंग्रेजी 98%, रहा। CCC का औसत परिणाम 69% तथा CLC का 100% रहा है।

छात्राओं के साहित्यिक सामाजिक सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक विकास के लिए महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग में परिषदों का गठन किया गया है। जिसके द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन, विचार अभिव्यकित, वाद विवाद, व्यंजन एवं अल्पना प्रतियोगिता, शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य, लोक गीत प्रतियोगिता, सेमिनार, राउंड टेबल कांफ्रेंस, पॉट डेकोरेशन, प्राकृतिक दृश्य चित्रण, काव्य पाठ, रंगोली, बुके एवं हस्तशिल्प निर्माण प्रतियोगिता, नाट्य रूपान्तरण, ट्रैक मार्किंग आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'कीर्ति' तथा भित्ति पत्रिका 'सृजन' छात्राओं को रचनाधर्मिता का विशिष्ट अवसर प्रदान करती है। विभागीय स्तर पर नवागत स्वागत तथा विदाई समारोह का छात्राओं को बेसब्री से इन्तजार रहता है। छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने हेतु विज्ञान संकाय Microorganisms मऊ में, भूगर्भ विज्ञान की छात्राओं को गंगा गोमती संगम स्थल कैथी सैदपुर तथा भूगोल विषय की छात्राओं को हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

अन्तर विषयक ज्ञान हेतु आन्तरिक उन्नयन प्रकोष्ट IQAC द्वारा इस सत्र में इतिहासकार जनाब ओबैदुर रहमान, CDPO श्रमण प्रकाश, बीएचयू राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ प्रोफेसर के के मिश्रा, समाजसेवी शिक्षक डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह, प्राध्यापक डॉ. अरुण कुमार, आईआईएम रोहतक के साइकोलॉजी फैकल्टी

मेम्बर डॉ. रमाशंकर यादव, पी.जी. कॉलेज के डाक्टर सुनील कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता ब्रजभूषण दूबे, फोटो जर्नलिस्ट डॉ. रामशंकर सिंह वसन्त कालेज वाराणसी, प्राध्यापक मुहम्मदाबाद डॉ. श्रीप्रकाश तिवारी, अधिवक्ता अनिल शर्मा, प्रोफेसर युधिष्ठिर तिवारी, पर्यावरणविद् पी.के. मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा, पूर्व IFS-Director General, Rajasthan अम्बरीष चौबे, रक्षत गंगाम् की संयोजक प्रो. कमला पाण्डे आदि विद्वानों द्वारा व्याख्यान, संवाद सत्र एवं परिचर्चा आयोजित कराये गये। इसी क्रम में महाविद्यालय के फैकल्टी मेम्बर प्रोफेसर सविता भारद्वाज, डॉ. विकास सिंह, सारिका सिंह, डाक्टर संजय गुप्त, डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. अमित यादव, प्रताप सिंह रावत, शिवकुमार, संतन कुमार राम इत्यादि ने विभिन्न अवसरों पर छात्राओं एवं अन्य आगन्तुकों के समक्ष व्याख्यान, परिचर्या, संगोष्ठी इत्यादि में प्रतिभाग कर अपने ज्ञान का प्रसार जनहित में किया।

वर्तमान सत्र में डॉ. दीप्ति सिंह, संतन कुमार राम, डॉ. शशीकला जायसवाल, शिव कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। इनके अतिरिक्त महाविद्यालय के प्रायः सभी प्राध्यापकों ने देश में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने 26 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये हैं। बिहार पशु चिकित्सालय पटना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वंदना कुमारी को 'यंग टीचर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। बैंकॉक-थाईलैण्ड में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. दीप्ति सिंह को बेस्ट स्पीकर तथा संगीत के क्षेत्र में 'आर्क ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्हें दिल्ली में 'राधाकृष्णन शिक्षक सम्मान' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय में डॉ. बीएन पाण्डे, अकबर ए आजम ने IISER द्वारा प्रायोजित Workshop BHU में, संतन कुमार राम Carnegie Institute New York द्वारा प्रायोजित कार्यशाला Gandhinagar में तथा वंदना कुमारी और डॉ. दिवाकर मिश्रा ने रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रोग्राम में प्रतिभाग किया।

महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा वर्तमान सत्र में कुल 25 शोध पत्र यूजीसी रैफरीड जनरल्स में प्रकाशित किये गये। मऊ दूरदर्शन द्वारा डॉ. शशिकला जायसवाल जी को दो परिचर्चाओं का प्रसारण किया।

इस सत्र में प्राचीन इतिहास विभाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापकद्वय डॉक्टर विकास सिंह एवं प्रताप सिंह रावत की संयुक्त रूप से ''प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन'' विषय पर एक पुस्तक प्रकाशित हुई। डॉ. विकास सिंह द्वारा सम्पादित ''सहअस्तित्व एक वैचारिकी'' पुस्तक प्रकाशनाधीन है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सविता भारद्वाज ने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर अपनी ''भारत का सामाजिक और राजनीतिक दर्शन'' तथा 2 आलेख प्रकाशित कराया। आप VBSPU Jaunpur की कार्यपरिषद् की सदस्य हैं तथा अनुदानित महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के कैरियर एडवांसमेंट स्कीम हेतु आजमगढ़ जनपद की प्रभारी हैं।

महाविद्यालय के क्रीड़ा परिषद् द्वारा डॉ. शम्भूशरण के निर्देशन में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन 29 अगस्त को, आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सितम्बर 2017 एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर द्वारा प्रायोजित अन्तर महाविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। जिसमें महाविद्यालय उपविजेता रहा तथा दो छात्राओं आविदा और प्रियंका का चयन विश्वविद्यालय वॉलीबाल टीम में हुआ। वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता स्पर्धा 2018 का आयोजन 16-17 फरवरी को हुआ जिसमें आबिदा खातून बी.ए. द्वितीय वर्ष 3 प्रतियोगियों में प्रथम स्थान पाकर क्रीड़ा चैंपियन बनी।

महाविद्यालय के प्रजा रेंजर दल ने वर्षपर्यन्त विविध सामाजिक दायित्वों का निर्वहन किया। 23 जनवरी से 27 जनवरी 2018 तक पंच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन महाविद्यालय में हुआ जिसमें 21 नवप्रवेशी छात्राओं को दीक्षा दी गयी। नवनियुक्त रेंजर प्रभारी डॉ. शिवकुमार जी के नेतृत्व में जनपदी समागम में महाविद्यालय की रेंजर टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा विश्वविद्यालय समागम में रेंजर टीम उपविजेता रही। राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय में तीन इकाईयाँ शासन द्वारा स्वीकृत हैं, जिनमें वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी एखलाक खान, डॉ. अमित यादव तथा सारिका सिंह

के कुशल निर्देशन में मतदाता जागरूकता, नगर स्वच्छता, साक्षरता, एड्स जागरूकता के सम्बन्ध में रैली, नुक्कड़ नाटक, रंगोली, स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास वर्षपर्यन्त किया गया। छात्राओं के पाँच एकदिवसीय शिविर तथा सप्तदिवीय शिविर का सफल आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। एनएसएस के पूर्व वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास सिंह को गाजीपुर जनपद का स्वीप कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

महाविद्यालय में एनसीसी की 28 यूपी गर्ल्स बटालियन की दो प्लाटून में कुल 105 छात्राएं पंजीकृत हैं। आख्या गत वर्ष में 51 छात्राओं ने वाराणसी में आयोजित 10 दिवसीय CATC कम्बाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप सफलतापूर्वक पूरा किया। 10 छात्राएं इण्टर ग्रुप कम्पटीशन भी पूर्ण कीं।

महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, विश्व दर्शन दिवस, खेल दिवस, एकात्म मानववाद पर संगोष्ठी, सरदार पटेल जन्मदिवस पर अखण्डता दिवस, इंदिरा गाँधी जी की पुण्यतिथि पर बलिदान दिवस, बाल दिवस, महिला सुरक्षा जागरूकता सप्ताह, एड्स जागरूकता दिवस, खेल मेला, मतदाता जागरूकता दिवस, रविदास जयन्ती इत्यादि पर परिचर्चा, संगोष्ठी, संवाद सूत्र, व्याख्यान का आयोजन हुआ।

इस सत्र में महाविद्यालय में 03 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कर्मियों के लिए 10 दिवसीय कम्प्यूटर कार्यशाला, साइटोजीन प्रा.लि. लखनऊ तथा विज्ञान संकाय द्वारा संयुक्त रूप से DNA Finger Printing पर कार्यशाला, गृहविज्ञान विभाग एवं Pedilite Pvt. Ltd. के साथ कार्यशाला का आयोजन कियाजिसमें 10 छात्राओं का चयन पीडीलाइट द्वारा teacher training course के लिए किया गया है। चित्रकला परिषद् द्वारा सम्भावना कला मंच के साथ "उद्भव" कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला आयोजित की गयी।

सत्र 2017-18 में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. ए. रहमान, डॉ. बीएम प्रसाद, डॉ. रामप्रकाश कुशवाहा पदोन्नति के फलस्वरूप प्राचार्य के रूप में क्रमशः बस्ती, युसुफपुर-गाजीपुर तथा बलिया के राजकीय महाविद्यालयों में स्थानान्तरित हुए। डॉ. शालिनी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर चित्रकला, राजकीय महाविद्यालय सोनभद्रा स्थानान्तरित हुई। पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार तिवारी नैक मूल्यांकन में इस राजकीय महाविद्यालय को शीर्षस्थ स्थान पर पहुँचाकर गरिमामय ढंग से सेवानिवृत्त हुए तथा परिचारक कामता राम अपनी सुदीर्घ सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। प्रो. डॉ. सविता भारद्वाज उ.प्र. राजकीय उच्च शिक्षा सेवा में 77 प्राचार्यों के ऊपर वरीयता प्राप्त कर स्नातकोत्तर प्राचार्य के रूप में प्रोन्नत होकर अल्वानी आजमगढ़ से इस महाविद्यालय में अगस्त 2017 में आयीं। डॉ. संजय गुप्त तथा डॉ. शशिकला जायसवाल स्थानान्तरण के फलस्वरूप इस महाविद्यालय में सितम्बर 2017 में कार्यभार ग्रहण किये। डॉ. विकास सिंह, डॉ. शिवकुमार, डॉ. वन्दना कुमारी सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर जनवरी 2018 में राजकीय उच्च शिक्षा सेवा में स्थायी हुए।

वर्तमान प्राचार्य प्रोफेसर सविता भारद्वाज जी के सक्षम, समावेशी प्रशासन एवं कर्तव्यनिष्ठ आचरण से समग्र रूप में महाविद्यालय क्रमशः विकास के पथ पर अग्रसर है और इसके विकास की असीम सम्भावनाएँ हैं। महाविद्यालय को उत्कृष्टता केन्द्र (Centre of Excellence) के रूप में विकसित करने हेतु प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है। छात्राओं की अपेक्षा के अनुरूप प्रायः सभी विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएं संचालित किये जाने की आवश्यकता है। तदनुरूप पद सृजन की भी अपेक्षा है। हमें आशा एवं विश्वास है कि शासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से महाविद्यालय अपने वांछित लक्ष्य की पूर्ति में सफल होगा।

—प्रो. सविता भारद्वाज
प्राचार्य